डीएवीवी • तक्षशिला परिसर के करीब सात एकड़ को चार हिस्सों में विकसित करेगा विश्वविद्यालय प्रशासन

फलेगा-फूलेगा बारह साल से उजाड़ पड़ा बॉटनिकल गार्डन, मेडिसनल प्लांट और नक्षत्र वाटिका भी बनेगी

अभी की स्थिति में रिसर्च नहीं कर पा रहे छात्र

भास्कर संवाददाता |

12 साल से उजाड़ पड़े देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के तक्षशिला परिसर के बॉटनिकल गार्डन को अब संवारा जाएगा। इसकी प्लानिंग बन गई है। करीब 7 एकड़ में यह गार्डन विकसित होगा। इसे चार हिस्सों में संवारा जाएगा। पहले हिस्से में मेडिसनल प्लांट लगेंगे। इसी में वे पौधे भी लगाए जाएंगे जो विलुप्त होती प्रजाति के हैं। दूसरे हिस्से में फलदार वृक्ष लगेंगे, जबकि तीसरे हिस्से में नक्षत्र वाटिका (गृह-नक्षत्र के लिहाज से पौधे लगेंगे) बनेगी, जबकि चौथे हिस्से में फूलों के पौधे लगाए जाएंगे। यूनिवर्सिटी 2020 के आखिर तक इसे विकसित कर देगी।

12 से 13 एकड़ में फैला

बॉटनिकल गार्डन उजाड़ होने से लाइफ साइंस, बॉयो टेक्नोलॉजी सहित अन्य विभागों के छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अगले माह इसका काम शुरू हो जाएगा। 12-13 एकड़ में फैले इस गार्डन की हालत अभी खराब है।

जनवरी में शुरू हो जाएगा प्लांट लगाने का काम

50 से ज्यादा तरह के मेडिसनल प्लांट लगाए जाएंगे

इस हिस्से में छात्र रिसर्च कर सकेंगे। विलुप्त होती प्रजाति के 20-25 प्लांट लगाए जाएंगे। इसके अलावा 50 से ज्यादा तरह के मेडिसनल प्लांट भी लगेंगे। यहां सिर्फ रिसर्च के लिए आने वाले छात्रों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

फलदार पौधे लगाए जाएंगे जो अमूमन इंदौर में नहीं होते

इस हिस्से में आम, अमरूद, इमली, पपीता, अनार, सीताफल और जामुन के पौधे तो लगेंगे ही। साथ ही केला, चीकू, करोंदा, आंवला सहित ऐसे फलों के पौधे भी लगाए जाएंगे जो सामान्य तौर पर इंदौर में नहीं होते। इन्हें खास तरीके से विशेषज्ञों की मदद से लगाया जाएगा।

27 नक्षत्र के हिसाब से लगाए जाएंगे प्लांट

27 नक्षत्र और वास्तु के हिसाब से भी पौधे लगेंगे। इसमें राशियों का भी ध्यान रखा जाएगा। राशि और ग्रहों के इन पौधों को विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। छात्र इस पर भी रिसर्च कर सकेंगे।

फूलों के पौधे लगेंगे, पैदल ट्रैक भी बनेगा

चौथे हिस्से में गुलाब, गेंदा सहित अन्य प्रजाति के फूलों के पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा पूरे गार्डन में पैदल ट्रैक भी बनेगा। जिस पर छात्र-फैकल्टी वॉक कर सकेंगे। हर हिस्से को कम से कम एक-एक एकड़ में विकसित किया जाएगा।

दो एकड़ में पॉलीहाउस बनेगा

इसी बॉटनिकल गार्डन में पॉली हाउस भी बनाया जाएगा। इसके लिए दो एकड़ जगह अलग से छोड़ी जाएगी। विशेषज्ञों की मदद से उस हिस्से में पॉली हाउस बनेगा, जहां आसानी से धूप आती हो। फिलहाल इसके लिए भी अलग से प्लानिंग चल रही है।

आईआईपीएस की नई बिल्डिंग, ऑडिटोरियम का भी है प्रस्ताव

बॉटनिकल गार्डन की पांच एकड़ जमीन पर आईआईपीएस की नई बिल्डिंग बनेगी। गार्डन के पास ही संस्थान की पुरानी बिल्डिंग है। अब यहां पांच सौ सीट की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, फैकल्टी कैबिन और क्लासरूम बनेंगे। हालांकि कुछ साल पहले इसके लिए टेंडर भी जारी हो चुका था, लेकिन उसके बाद मामला आगे नहीं बढ़ पाया।

विभागाध्यक्ष बोले- प्लानिंग कर रहे, जल्द शुरू होगा काम

ईएमआरसी के हेड प्रो. एके सिंह के मुताबिक, यूनिवर्सिटी बॉटनिकल गार्डन को संवारने की प्लानिंग कर रही है। जल्द काम भी शुरू हो जाएगा। हमारी तैयारी है कि 2020 के अंत तक गार्डन तैयार हो जाए। बाकी काम अलग से चलते रहेंगे।